No. of Printed Pages : 3

बी.एच.डी.ई.-101 / ई.एच.डी.-1

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2018

04431

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी
बी.एच.डी.ई.-101 / ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं *तीन* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) राज्य में हाहाकार मचा हुआ था । प्रजा दिन-दहाड़े लूटी जाती थी । कोई फ़रियाद सुनने वाला न था । देहातों की सारी दौलत लखनऊ में खिंची आती थी और वह वेश्याओं में, भाँडों में और विलासिता के अन्य अंगों की पूर्ति में उड़ जाती थी । अंग्रेज़ कंपनी का ऋण दिन-दिन बढ़ता जाता था । कमली दिन-दिन भीगकर भारी होती जाती थी ।

(ख) तब अपने स्नेह में प्रगल्भ उस बालक के सिर पर हाथ रखकर मैं भावातिरेक से ही निश्चल हो रही । उस तट पर किसी गुरु को किसी शिष्य से कभी ऐसी दक्षिणा मिली होगी, ऐसा मुझे विश्वास नहीं, परंतु उस दक्षिणा के सामने संसार में अब तक सारे आदान-प्रदान फीके जान पड़े ।

(ग) दहेज की बातचीत ऐसे सत्यवादी पुरुषों से नहीं की जाती । उनसे सम्बन्ध हो जाना ही लाख रुपये के बराबर है । मैं इसी को अपना अहोभाग्य समझता हूँ । हाँ ! कितनी उदार आत्मा थी । रुपये को तो उन्होंने कुछ समझा ही नहीं, तिनके के बराबर भी परवाह नहीं की । बुरा रिवाज है, बेहद बुरा ! मेरा बस चले, तो दहेज लेने वालों और दहेज देने वालों दोनों ही को गोली मार दूँ; हाँ साहब, साफ़ गोली मार दूँ; फिर चाहे फाँसी ही क्यों न हो जाए ! पूछो, आप लड़के का विवाह करते हैं कि उसे बेचते हैं ? अगर आपको लड़के की शादी में दिल खोलकर ख़र्च करने का अरमान है तो शौक से ख़र्च कीजिए, लेकिन जो कुछ कीजिए, अपने बल पर । यह क्या कि कन्या के पिता का गला रेतिए । नीचता है, घोर नीचता ! मेरा बस चले, तो इन पाजियों को गोली मार दूँ ।

(घ) निर्लज्ज ! मद्यप !! क्लीव !!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं ? (ठहर कर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी । मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतल-मणि नहीं हूँ । मुझमें रक्त की तरल लालिमा है । मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्मसम्मान की ज्योति है । उसकी रक्षा मैं ही करूँगी ।

(ङ) सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नए ख़राब ही नहीं होते । भले लोग दोनों की जाँच कर लेते हैं, जो हितकर होता है, उसे ग्रहण करते हैं और मूढ़ लोग दूसरों के इशारे पर भटकते हैं ।

2. द्विवेदी युग में गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए । *16*

3. 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए । *16*

4. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'भैया एक्सप्रेस' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । *16*

5. 'त्रिलोचन्' संस्मरण की विशेषताएँ बताइए । *16*

6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए । *16*

7. हिन्दी निबन्ध के प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए । *16*

8. 'घीसा' पटकथा का मूल्यांकन कीजिए । *16*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

   (क) लहना सिंह का चरित्र

   (ख) प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास

   (ग) निबन्ध-लेखन और शुक्लोत्तर युग

   (घ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का परिवेश